भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 859
दिनांक 04 दिसंबर 2025

पीएमयूवाई के अंतर्गत तमिलनाडु में एलपीजी कनेक्शन

†859. **श्री सी. एन. अन्नादुरईः**

श्री जी. सेल्वमः

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री*** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत तमिलनाडु सहित देश में इसके आरंभ के बाद से प्रदान किए गए एलपीजी कनेक्शनों की कुल संख्या कितनी है और तिरुवन्नामलाई और कांचीपुरम में प्रदान किए गए कनेक्शनों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार और जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में विशेषकर उक्त जिलों में पीएमयूवाई लाभार्थियों में प्रति व्यक्ति एलपीजी खपत का ब्यौरा क्या है;

(ग) जागरूकता अभियान, एलपीजी पंचायतों और वित्तीय सहायता तंत्र सहित तमिलनाडु के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में पीएमयूवाई लाभार्थियों में निरंतर एलपीजी उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या अंतिम छोर तक पहुंच बढ़ाने के लिए तिरुवन्नामलाई और कांचीपुरम जिलों में नए एलपीजी वितरक या बॉटलिंग सुविधाएं स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता को कम करने और इन जिलों में पर्यावरणीय संधारणीयता को बढ़ावा देने में पीएमयूवाई के उल्लेखनीय प्रभाव का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) पूरे देश में गरीब परिवारों की व्यस्क महिला के नाम से बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन जारी करने के उद्देश्य से मई, 2016 में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई) की शुरुआत की गई थी। दिनांक 01.11.2025 की स्थिति के अनुसार, पूरे देश में लगभग 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन थे, जिसमें से तमिलनाडु में 40.97 लाख कनेक्शन शामिल हैं। तमिलनाडु में पीएमयूवाई कनेक्शनों की राज्य/संघशासित प्रदेश और जिला –वार ब्यौरे क्रमशः **अनुलग्नक- क और ख** में दिए गए हैं।

(ख) पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत, 14.2 कि.ग्रा. रिफिल/प्रति वर्ष की संख्या के हिसाब से, पिछले तीन वर्षों में लगातार बढ़ रही है, जैसा कि निम्नवत सारणी में देखा जा सकता है:

राज्य/ज़िला	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24	वित्त वर्ष 2024-25
कांचीपुरम	4.63	4.84	5.23
तिरुवन्नामलाई	4.12	4.31	4.64
तमिलनाडु	**4.28**	**4.38**	**4.81**

स्रोतः पीएसयू ओएमसीज के ओर से आईओसीएल

(ग) पीएमयूवाई के लाभार्थियों के एलपीजी खपत के संबंध में पीपीएसी की खपत रिपोर्टों, कॉमन एलपीजी डेटा प्लेटफॉर्म (सीएलडीपी) और ओएमसीज के साथ बैठकों के माध्यम से निरंतर निगरानी रखी जाती है। परिवारों द्वारा घरेलू एलपीजी की खपत कई बातों पर निर्भर करती है, जैसे खाने की आदतें, परिवार का आकार, खाना पकाने की आदतें, परंपरा, स्वाद, पसंद, मूल्य, वैकल्पिक ईँधनों की उपलब्धता आदि।

एलपीजी के बारे में जागरूकता फैलाने और इसका इस्तेमाल बढ़ाने के लिए, कई कदम उठाए गए हैं, जिसमें अन्य बातो के साथ-साथ अभियान चलाना, कनेक्शन एनरोल करने और बांटने के लिए मेले/कैंप लगाना, आउट ऑफ होम (ओओएच) होर्डिंग्स, रेडियो जिंगल, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैन आदि के माध्यम से बढावा देना, दूसरे पारंपरिक ईंधन के मुकाबले एलपीजी इस्तेमाल करने के फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना और एलपीजी पंचायतों के ज़रिए एलपीजी का सुरक्षित इस्तेमाल, विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नामांकन/जागरूकता कैंप, आधार नामांकन और पीएमयूवाई कनेक्शन लेने के लिए बैंक अकाउंट खोलने में मदद करने के लिए उपभोक्ताओं और उनके परिवारों को सुविधा प्रदान करना शामिल है। सरकार ने पीएमयूवाई के लाभार्थियों द्वारा एलपीजी की खपत के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें राजसहायता की राशि से लोन की वसूली टालना, शुरुआती कैश खर्च कम करने के लिए 14.2 कि.ग्रा. से 5 कि.ग्रा. तक स्वैप विकल्प, 5 कि.ग्रा. डबल बॉटल कनेक्शन का विकल्प, लाभार्थियों को लगातार एलपीजी इस्तेमाल करने के लिए मनाने के लिए प्रधानमंत्री एलपीजी पंचायत आयोजित करना, बड़े पैमाने पर जागरूकता कैंप आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को और किफायती बनाने के लिए, सरकार 14.2 कि.ग्रा. सिलेंडर पर 300 रुपये की निर्धारित राजसहायता दे रही है। तमिलनाडु में पीएमयूवाई परिवारों द्वारा एलपीजी की खपत वित्त वर्ष 2022-23 में 217.52 हजार मैट्रिक टन (टीएमटी) से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 279.9 टीएमटी हो गई है। साथ ही, तमिलनाडु में पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत वित्त वर्ष- 2022-23 में 4.28 से बढ़कर वित्त वर्ष- 2024-25 में 4.81 हो गई है।

(घ) सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) द्वारा एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप की नियुक्ति एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप शुरू करने के लिए स्थलों की पहचान की जाती है और एकीकृत चयन दिशानिर्देश, 2016 के तहत उनका विज्ञापन किया जाता है। दिनांक 01.11.2025 तक, देश भर में कुल 25,587 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप हैं, जिनमें तमिलनाडु में 1653 शामिल हैं। इन्हें देश भर

में मौजूद तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) के 214 एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र के ज़रिए सेवा दी जाती है, जिनमें तमिलनाडु में 19 शामिल हैं। ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में एलपीजी की पहुंच को बेहतर बनाने के लिए, ओएमसीज ने दिनांक 01.04.2016 से 31.10.2025 के दौरान, देश भर में 8017 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप कमीशन की हैं, जिनमें से 7420 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप (यानी 93%) ग्रामीण इलाकों में काम कर रही हैं।

दिनांक 01.11.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई और कांचीपुरम जिलों में मौजूदा एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप और बॉटलिंग सुविधाओं की संख्या निम्नवतः है:

ज़िला	एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप की सं.	एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों की सं.
तिरुवन्नामलाई	56	0
कांचीपुरम	38	1

स्रोतः पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल

(ङ) कई स्वतंत्र अध्ययन और रिपोर्ट्स से पता चला है कि पीएमयूवाई योजना का ग्रामीण परिवारों, खासकर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में महिलाओं और परिवारों की ज़िंदगी पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ खास फ़ायदों के बारे में नीचे संक्षेप में बताया गया है:

(i) पीएमयूवाई की वजह से खाना पकाने के पुराने तरीकों में बदलाव आया है, जिसमें लकड़ी, गोबर और कृषि अवशेष जैसे ठोस ईंधन जलाए जाते हैं। स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल से घर के अंदर हवा से होने वाला प्रदूषण कम होता है, जिससे श्वसन संबंधी स्वास्थय बेहतर होता है, खासकर महिलाओं और बच्चों में, जो पारंपरिक रूप से घर के धुएं के संपर्क में ज़्यादा आते हैं।

(ii) एलपीजी ने गरीब परिवारों की महिलाओं की मेहनत और खाना पकाने में लगने वाले समय को कम किया है। इस तरह, उनके पास जो खाली समय होता है, उसका इस्तेमाल कई तरह से आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

(iii) बायोमास और पारम्परिक ईंधन के स्थान पर एलपीजी में बदलाव करने से खाना पकाने के लिए लकड़ी और दूसरे बायोमास पर निर्भरता कम होती है, जिससे जंगलों की कटाई और पर्यावरण को होने वाले नुकसान में कमी आती है। इससे न सिर्फ परिवारों को फायदा होता है, बल्कि व्यापक पर्यावरणीय संरक्षण के प्रयासों में भी मदद मिलती है।

(iv) खाना पकाने की बेहतर सुविधाओं से पोषण पर संभावित सकारात्मक प्रभाव होता है। परिवारों को अलग-अलग तरह का पौष्टिक खाना बनाना आसान हो सकता है, जिससे समग्र सेहत बेहतर होती है।

*****

अनुलग्नक-क

"पीएमयूवाई के अंतर्गत तमिलनाडु में एलपीजी कनेक्शन" के संबंध में दिनांक 04.12.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 859 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

दिनांक 01.11.2025 की स्थिति के अनुसार पीएमयूवाई कनेक्शनों के राज्य/संघ शासित प्रदेश-वार ब्यौरे

राज्य	**पीएमयूवाई कनेक्शनों की सं.**
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	13,800
आंध्र प्रदेश	9,71,393
अरुणाचल प्रदेश	53,686
असम	50,93,571
बिहार	1,16,23,438
चंडीगढ़	2,026
छत्तीसगढ़	38,00,776
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	17,742
दिल्ली	2,58,871
गोवा	1,949
गुजरात	43,05,835
हरियाणा	11,13,259
हिमाचल प्रदेश	1,50,510
जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश	12,69,209
झारखंड	38,92,786
कर्नाटक	41,41,742
केरल	3,87,443
लद्दाख संघ शासित प्रदेश	11,080
लक्षद्वीप	370
मध्य प्रदेश	88,44,057
महाराष्ट्र	52,12,371
मणिपुर	2,24,877
मेघालय	3,16,944
मिजोरम	35,985
नागालैंड	1,22,043
ओडिशा	55,47,279
पुडुचेरी	19,414
पंजाब	13,57,410
राजस्थान	73,76,362
सिक्किम	19,867
तमिलनाडु	**40,96,697**
तेलंगाना	11,82,747
त्रिपुरा	3,16,367
उत्तर प्रदेश	1,85,80,609
उत्तराखंड	5,29,403
पश्चिम बंगाल	1,23,71,193

स्रोतः पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल

अनुलग्नक-ख

"पीएमयूवाई के अंतर्गत तमिलनाडु में एलपीजी कनेक्शन" के संबंध में दिनांक 04.12.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 859 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

दिनांक 01.11.2025 की स्थिति के अनुसार तमिलनाडु में पीएमयूवाई के तहत कनेक्शनों के जिले-वार ब्यौरे

ज़िला	**पीएमयूवाई कनेक्शनों की संख्या**
अरियालुर	72,160
चेंगलपट्टू	1,22,843
चेन्नई	32,731
कोयंबटूर	46,753
कुड्डालोर	2,53,910
धर्मपुरी	1,13,135
डिंडीगुल	1,47,973
इरोड	1,16,551
कल्लाकुरिची	92,619
कांचीपुरम	**67,995**
कन्याकुमारी	88,702
करूर	54,091
कृष्णागिरी	1,21,527
मदुरै	1,59,960
मयिलादुदुरई	67,658
नागपट्टिनम	49,599
नमक्कल	1,27,644
पेरम्बलुर	44,604
पुदुक्कोट्टई	1,73,223
रामनाथपुरम	1,49,773
रानीपेट	99,863
सलेम	2,02,108
शिवगंगा	89,648
तेनकासी	86,470
तंजावुर	1,37,971
नीलगिरी	18,307
थेनी	67,438
तिरुवल्लुर	1,20,231
थिरुवरुर	1,14,755
थूथुकुडी	1,02,038
तिरुचिरापल्ली	1,51,776
तिरुनेलवेली	72,360
तिरुपथुर	75,052
तिरुपूर	54,909
तिरुवन्नामलाई	**2,15,249**
वेल्लोर	1,22,373
विलुप्पुरम	1,42,844
विरुधुनगर	1,19,854

स्रोतः पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल